प्रेस विज्ञप्ति 12.06.2023

मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ़ उत्तर प्रदेश की कल्चरल कमेटी द्वारा डॉ0 गौर हरि सिंहानिया जी के जन्मदिवस पर **"रहे ना रहे हम"** के प्रसंग पर सायंकाल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इससे पूर्व प्रातः 11:00 बजे से सायंकाल 05:00 बजे तक शर्बत वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 4000 राहगीरों ने मीठे व ठण्डे शर्बत आनन्द लिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मर्चेंट्स चैम्बर के अध्यक्ष श्री अतुल कानोडिया, पूर्व अध्यक्ष- डॉ0 इन्द्र मोहन रोहतगी, श्री बी.के. लाहोटी व श्री मुकुल टंडन एवं श्री ए.के. सराउगी, श्री विमल झांझरिया, ने दीप प्रज्जवलित कर स्वर्गीय डॉ0 गौर हरि सिंहानिया जी को श्रृद्धा सुमन पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण किया।

कल्चरल कमेटी के चेयरमैन- स्वतंत्र सिंह जी द्वारा सायंकाल 07:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम "रहे ना रहे हम" में भव्य गीतों की श्रृंखला के संचालन करने के साथ-साथ *सत्र में प्रस्तुत किये जाने वाले प्रत्येक गीतों से पूर्व में गीतों के इतिहास जैसे, किस सन में व किस फ़िल्म में गाया गया, गीतकार का नाम, संगीतकार का नाम, अभिनेता-अभिनेत्री जिस पर फिल्माया गया- का नाम, किस जगह पर और किस दृश्य में फिल्माया गया,* अपने दोस्ताना, फिल्माना और अनूठे अंदाज में श्रोतागण को चिर-परिचित करवाते हुए पुरानी यादों में खो जाने पर विवश कर दिया। सांस्कृतिक सत्र की रचनात्मक आगाज के लिए जाने वाले श्री स्वतंत्र सिंह ने *श्रोतागण से मोबाइल फ़ोन साइलेंट करते हुए फ़्लैश लाइट चालू करते हुए गाये गए नगमों को धुन पर मोबाइल की फ़्लैश लाइट को लहराने कहा, ऐसा करते ही मानो पुरानी गीतों से महकी शाम में रात्रि से पहले ही सैकड़ों जुगनू एक साथ चमकते हुए-से प्रतीत होने लगे और सभागार में एक अद्भुद नजारा देखने का अवसर सबको प्राप्त हुआ।*

जिसमें डॉ0 इन्द्र मोहन रोहतगी द्वारा इंस्ट्रमेन्टल "पर है अपना दिल तो आवारा" एवं "जाने कहाँ मेरा जिगर", डॉ. ए. एस. प्रसाद द्वारा "नजर ना लग जाये" व "रात के हम सफर पर" अपनी प्रस्तुति दी, इनके अलावा श्री अरूण द्वारा "रहे ना रहे हम", "ले के पहला पहला प्यार", "न मुँह छुपा के जियो" एवं "शोला जो भड़के" आदि जैसे सुपरहिट गीतों पर प्रस्तुति दी। इनके अलावा श्रीमती दीपिका, वर्षा एवं श्री कपिल द्वारा "चाँद फिर निकला", "आप यूँ ही अगर मिलते", "बाबू जी धीरे चलना" आदि गीतों पर प्रस्तुति दी, जिससे आडिटोरियम में उपस्थित सदस्यगण मंत्रमुग्ध होकर थिरकने पर विवश हो गये। गायन के अन्त में फर्माईश गीतों का भी सत्र आयोजित हुआ, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनन्द लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में डॉ जे एन गुप्ता, श्री विश्वनाथ गुप्ता, श्री सुभाष गंगवार, श्री सुबोध शाह, श्री रुफी वकी, श्री अरुण गुप्ता, श्री सैयद अख्तर, श्री मोहन चंद बंसल, श्री आर.पी. शाह, तथा मर्चेन्ट्स चैम्बर के सदस्यगण, श्री महेंद्र मोदी - सचिव - मर्चेंट्स चैम्बर तथा कानपुर के गणमान्य नागरिक सपरिवार उपस्थित रहे।